भाजपा हरियाणा की दो दिनों में पांच बैठकें, बनाई जीत की अभेद्य रणनीति

हरियाणा में भाजपा के लिए शानदार माहौल, दसों सीटें जीतना तयः डॉ. सतीश पूनिया

गुरुग्राम/जयपुर 28 मार्च (का.सं.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव 2024 को प्रचंड विजय के साथ ऐतिहासिक बनाने की कवायद में जुटी हरियाणा भाजपा का दूसरे दिन भी गुरुग्राम में बैठकों का दौर जारी रहा। बुधवार को देर रात तक मुख्यमंत्री नायब सैनी, हरियाणा भाजपा प्रदेश लोकसभा चुनाव प्रभारी डॉ. सतीश पूनिया, पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर की मौजूदगी में हुई बैठकों के बाद गुरुवार को भी गुरुकमल कार्यालय में सतीश पूनिया की अध्यक्षता में दो महत्वपूर्ण बैठकें हुईं। पहली बैठक में क्लस्टर इन्चार्ज, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक एवं लोकसभा विस्तारक शामिल हुए, जबकि दूसरी बैठक मोर्चा पदाधिकारियों के साथ हुई।

- **दूसरे दिन क्लस्टर इन्चार्ज, लोकसभा प्रभारी, लोकसभा संयोजक एवं लोकसभा विस्तारक और मोर्चा पदाधिकारियों के साथ बैठकें हुईं।**

बैठक में डॉ. सतीश पूनिया, प्रदेश लोकसभा चुनाव सह प्रभारी सुरेन्द्र नागर, चुनाव प्रबंधन समिति संयोजक सुभाष बराला, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा आदि वरिष्ठ नेताओं ने आगामी दिनों में होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की। इसके अलावा आगामी दिनों में लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर होने वाली रैलियों की तिथियों पर भी चर्चा हुई।

हरियाणा पदाधिकारियों की बैठक लेने के बाद डॉ. पूनिया ने दावा किया कि, भाजपा हरियाणा में 10 की 10 लोकसभा सीटें जीतने जा रही है। उन्होंने कहा कि, हरियाणा में भाजपा के प्रति शानदार माहौल है। बैठकों के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. पूनिया ने बताया कि, इन बैठकों में लोकसभा प्रत्याशियों से चुनाव को लेकर होने वाले आगामी कार्यक्रमों पर भी चर्चा हुई है।

उन्होंने कहा कि, पार्टी के सभी विभागों के साथ चुनाव प्रबंधन को लेकर भी सार्थक चर्चा हुई है। उन्होंने कहा कि, चुनाव में संगठन की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और हरियाणा में संगठनात्मक रूप से भाजपा मजबूत है।

डॉ. सतीश पूनिया ने कहा कि, हरियाणा और देश के लोग प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चाहते हैं और भाजपा की डबल इंजन की सरकार के कामों से संतुष्ट हैं। मिशन 370 और मिशन 400 पार के लिए हरियाणा संकल्पित है और निश्चित तौर पर दस की दस लोकसभा सीटें जिताकर हरियाणा की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पास भेजेगी। उन्होंने कहा कि, मोदी और नायब सैनी सरकार के जनहित के कार्य प्रदेश की जनता को दिखाई दे रहे हैं, इसलिए प्रदेश की जनता भाजपा को ऐतिहासिक जीत दिलाने का मन बना चुकी है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, सभी नेता और कार्यकर्ता जनता को मोदी सरकार की उपलब्धियां बताएं और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पार्टी से जोड़ें।

डॉ. पूनिया ने उपस्थित पदाधिकारियों से हरियाणा की 10 की 10 सीटों को जीतने के लिए टीम भावना से काम करने और बूथ तक पार्टी को और अधिक मजबूत करने की बात कही।

माफिया मुख्तार अंसारी की हार्ट अटैक से मौत

बांदा, 28 मार्च। माफिया मुख्तार अंसारी की गुरुवार की शाम हार्ट अटैक के बाद मौत हो गई। बांदा जेल में बंद मुख्तार की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। इलाज के दौरान मुख्तार अंसारी ने दम तोड़ दिया। प्रशासन की ओर से मौत की पुष्टि कर दी गई है। मुख्तार अंसारी की इस सप्ताह दूसरी बार तबीयत बिगड़ी थी।

- **बांदा जेल में बंद बाहुबली सांसद मुख्तार अंसारी की तबीयत बिगड़ने के बाद मैडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान अंसारी ने दम तोड़ दिया।**

इससे पहले भी उनकी तबीयत खराब हो चुकी है। इसके बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। चेकअप के बाद वापस जेल भेजा गया था, जहां गुरुवार को एक बार फिर उनकी तबीयत खराब हो गई। डॉक्टरों ने चेकअप के दौरान हार्ट अटैक की बात कही। इसके बाद एंबुलेंस से उन्हें मेडिकल कॉलेज ले जाया गया था।

राजनाथ सिंह ने अग्निपथ योजना में बदलाव के संकेत दिये

राजनाथ सिंह ने कहा कि, अग्निवीरों की भर्ती के संबंध में यदि कोई कमी दिखाई पड़ती है तो उसमें सुधार किया जायेगा

नई दिल्ली, 28 मार्च (वार्ता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि, यदि सरकार को सशस्त्र सेनाओं में अग्निवीरों की भर्ती से संबंधित अग्निपथ योजना में कोई कमी दिखाई देती है तो जरूरत पड़ने पर वह इसमें सुधार करने के लिए तैयार है।

राजनाथ सिंह ने गुरूवार को एक निजी टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम में अग्निवीरों से जुड़े सवाल पर कहा , इस सवाल का कोई औचित्य नहीं है। यह एक सच्चाई है कि सेना में युथफुलनेस होनी चाहिए। हमारे सेना के जवानों की उम्र 30, 35, 40 या 50 वर्ष की रही है। लेकिन जब हमारे 18 या 20 वर्ष के जवान होंगे अग्निवीर के माध्यम से तो मैं समझता हूं कि जोखिम उठाने का जज्बा जवानों में अधिक होता है।

उन्होंने कहा कि, यह प्रौद्योगिकी का युग है और इसमें जवान प्रौद्योगिकी में पारंगत भी होने चाहिए। ऐसे नौजवानों की भर्ती अग्निवीर के रूप में की जा रही है।

- **गौरतलब है कि, विपक्ष, विशेषतः कांग्रेस पार्टी अग्निपथ योजना में कई खामियां बताकर केन्द्र सरकार की लगातार आलोचना करती रही है।**
- **कांग्रेस नेताओं का कहना है कि, मात्र चार साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती करना सही नहीं है, इसका भारतीय समाज और सुरक्षा दोनों पर गलत प्रभाव पड़ेगा।**

अग्निवीरों के कल्याण के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे उपायों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ नहीं होने देंगे। इस बात की पक्की गारंटी है उसके लिए तंत्र में जो भी बदलाव किया जा सकता है वह किया जायेगा। उन्होंने कहा कि यदि योजना में कोई कमी दिखाई देगी और आवश्यक हुआ तो उसमें सुधार करने के लिए भी सरकार पूरी तरह तैयार है।

गौरतलब है कि, विपक्ष विशेषतः कांग्रेस पार्टी अग्निपथ योजना में कई खामियां बताकर केन्द्र सरकार की लगातार आलोचना करती रही है। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि, मात्र चार साल के लिए अग्निवीरों की भर्ती करना सही नहीं है, इसका भारतीय समाज और सुरक्षा दोनों पर गलत प्रभाव पड़ेगा।

'कश्मीर से अफस्पा हटाने का बयान सिर्फ लोकसभा चुनाव की राजनीति है'

नैशनल कांन्फ्रैंस उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने कहा कि, लोकसभा चुनाव के नतीजे आने बाद अमित शाह कश्मीर से अफस्पा हटाने की बात भूल जायेंगे

श्रीनगर, 28 मार्च (वार्ता) जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि सशस्त्र बल विशेषाधिकार अधिनियम (अफस्पा) को हटाने का गृह मंत्री का वादा आगामी लोकसभा चुनावों से जुड़ा है।

अब्दुल्ला ने उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर शहर में एक रैली के मौके पर संवाददाताओं से कहा, किसी गलतफहमी में मत रहिए। गृह मंत्री ने कभी नहीं कहा कि अफस्पा हटा दिया जाएगा, बल्कि उन्होंने कहा कि वह इस पर विचार करेंगे।

उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर से अफस्पा हटाना आगामी संसदीय चुनाव से जुड़ा है।

नेशनल कॉन्फ्रेंस उपाध्यक्ष ने कहा, दुर्भाग्य से, गृह मंत्री को अब अफस्पा पर गौर करने की याद आई है। हमें डर है कि जैसे उन्होंने छठी अनुसूची में शामिल करने पर लद्दाख के लोगों को धोखा दिया, जिसे हिल काउंसिल चुनावों से पहले करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन कभी नहीं किया गया, वही हश्र अफस्पा हटाने को लेकर जम्मू-कश्मीर के लोगों के साथ होगा।

- **उमर अब्दुल्ला ने कहा कि, गृह मंत्री ने सिर्फ इतना कहा है कि, कश्मीर से अफस्पा हटाने पर विचार किया जायेगा।**

अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में आगामी लोकसभा चुनाव में सभी पांच सीटें हारने के बाद भाजपा फिर से अफस्पा हटाना भूल जायेगी। यह पूछे जाने पर कि संसद में नेशनल कांफ्रेंस की क्या भूमिका होगी, उन्होंने कहा, आइए हम चुनाव जीतें। हमने पहले भी लोगों का प्रतिनिधित्व किया है और भविष्य में भी ऐसा करना जारी रखेंगे।

इंडिया समूह के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा,हम इंडिया समूह से कभी अलग नहीं हुए। हम इंडिया समूह के साथ हैं और इसका हिस्सा बने रहेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री एवं पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने बुधवार को उम्मीद जताई कि केंद्र की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार जम्मू-कश्मीर में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (अफस्पा) हटाने की अपनी प्रतिबद्धता पूरी करेगी।

'पेपरलीक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रस्तुत दस्तावेजों में सामने आया है कि जालोर व बांसवाड़ा से ऐसे अभ्यर्थियों ने परीक्षा में भाग लिया और उनका चयन भी हुआ जिनके परिवार में पांच साल पहले एक भी व्यक्ति सरकारी नौकरी में कार्यरत नहीं था, लेकिन पांच साल में तकरीबन 20 से 25 लोगों को सरकारी नौकरी के लिये चयनित कर लिया गया। उन्होंने कहा कि शिकायत पत्रों अनुसार जिन अभ्यर्थियों का सब इंस्पैक्टर भर्ती परीक्षा में चयन किया गया है, उनके परिवारजन फर्जी डिग्रियों के माध्यम से परीक्षा में बैठने के योग्य बने और फिर चयनित भी कर लिये गये। जबकि इन सभी अभ्यर्थियों का एकेडमिक रिकॉर्ड यह नहीं दर्शाता कि वे परीक्षा में चयनित होने के योग्य है।

उन्होंने कहा कि कई अभ्यर्थियों, जिनका सरकारी नौकरी के लिये चयन किया गया है, उनके परिजनों ने परीक्षा में बैठने के लिये सरकारी स्कूलों में कार्यरत शिक्षा होने के फर्जी दस्तावेज पेश किये हैं। उन्होंने कहा कि जालोर के एक परिवार जिसके करीब 15 से 20 सदस्य सरकारी नौकरियों में नियुक्त हुए हैं, उसी परिवार में ही ऐसे लोग भी हैं जो अलग-अलग परीक्षाओं में पेपरलीक करने के प्रकरण में या तो गिरफ्तार हुए हैं या प्रमुख आरोपियों में से एक हैं।

एम.डी.एम.के. सांसद ने कीटनाशक खाकर आत्महत्या की

मीडिया रिपोर्ट्र्स के अनुसार, सांसद गणेशमूर्ति पार्टी की ओर से टिकट नहीं मिलने की बात से आहत चल रहे थे

कोयंबटूर, 28 मार्च। मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एम.डी.एम.के.) पार्टी के नेता और इरोड से सांसद ए. गणेशमूर्ति का बृहस्पतिवार को सुबह कोयंबटूर के एक अस्पताल में निधन हो गया। उन्होंने हाल ही में कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। पार्टी और पुलिस के सूत्रों ने यह जानकारी दी। ऐसी खबरें हैं कि लोकसभा चुनाव के लिए टिकट न मिलने से आहत होकर उन्होंने कीटनाशक खा लिया। हालांकि पार्टी में उनके करीबियों ने इस कारण को बेबुनियाद बताया है। उधर, सांसद के निधन पर तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने दुख जताया है। बता दें कि गणेशमूर्ति ने डी.एम.के. से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की थी।

- **पुलिस के अनुसार, 77 वर्षीय गणेशमूर्ति ने 24 मार्च को कोयंबटूर में अपने घर पर कुछ जहरीली गोलियां खाकर कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की थी। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, फिर कोयंबटूर के एक अन्य निजी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ उन्होंने दम तोड़ दिया।**

एम.डी.एम.के. सांसद गणेशमूर्ति के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने कहा कि गणेशमूर्ति ने द्रविड़ मुनेत्र कषगम (डीएमके) से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू की और जिला सचिव के पद सहित विभिन्न पदों पर अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया। बाद में वह वाइको के नेतृत्व वाले एमडीएमके में शामिल हो गए थे।

स्टालिन ने एक बयान में कहा, उनके निधन से गहरा दुख हुआ है। वह एक बेहतरीन नेता थे। मैं द्रमुक, एमडीएमके के सदस्यों, उनके परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी गहरी संवेदना और सहानुभूति व्यक्त करता हूं।

एम.डी.एम.के. प्रमुख वाइको ने गणेशमूर्ति के अकास्मिक निधन पर दुख व्यक्त किया है और कहा कि उन्होंने गणेशमूर्ति के बेटे कपिलन और बेटी तमिलपिरिया से मुलाकात की और उनके प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने उन बातों को बेबुनियाद बताया कि टिकट न मिलने के कारण गणेशमूर्ति ने कथित तौर पर आत्महत्या की।

उधर, पुलिस के अनुसार, 77 वर्षीय गणेशमूर्ति ने 24 मार्च को यहां अपने घर पर कुछ जहरीली गोलियां खाकर कथित तौर पर आत्महत्या करने की कोशिश की थी।

केजरीवाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ाने की मांग की थी।

केजरीवाल की तरफ से बहस करने के लिए वकीलों की फौज मौजूद थी, लेकिन उन्होंने कोर्ट की अनुमति लेकर हिंदी में निवेदन किया।

दिल्ली के लैफ्टिनैंट गवर्नर (एल.जी.) वी.के. सक्सैना की टिप्पणी कि "सरकार जेल से नहीं चलायी जा सकती," पर उन्होंने सरकारों को बताया कि "यह एक राजनीतिक षड़यंत्र है और जनता इसका माकूल जवाब देगी।"

समर्थन में रविवार को रैली केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस यहां 31 मार्च को एक रैली का आयोजन कर रही है। कांग्रेस के दिल्ली अध्यक्ष अरविंद लवली ने कहा कि "रैली लोकतंत्र को बचाने के लिए आयोजित की जा रही है तथा इसका संदेश ना केवल दिल्ली, बल्कि पूरे देश में जाएगा।"

उन्होंने कहा कि इण्डिया गठबंधन के शीर्ष नेता रैली को संबोधित करेंगे।

इस बीच, दिल्ली हाई कोर्ट ने एक जनहित याचिका को खारिज किया, जिसमें केजरीवाल को मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग की गई थी।

कोर्ट ने कहा कि 'इस मामले में न्यायिक हस्तक्षेप का कोई स्कोप नहीं है तथा इस मुद्दे पर सरकार के अन्य विभाग विधि सम्मत परीक्षण कर सकते हैं। कोर्ट यह स्पष्ट करता है कि उसने इस केस के गुणावगुण पर अब तक कोई टिप्पणी नहीं की है।"

द इकॉनमिस्ट का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

8200 करोड़ रूपए एकत्रित हुए। अतः प्रत्यक निर्वाचन क्षेत्र के खाते में करीब 17 करोड़ रूपए जा सकते हैं।

इसी प्रकार तृणमूल कांग्रेस ने भी 1600 करोड़ रूपए हासिल किए है और इसके मात्र 42 सीटों का ही चुनाव खर्च उठाना है। इस प्रकार यह प्रति सीट 38 करोड़ बैठता है, जो काफी ज्यादा है। एक क्षेत्रीय पार्टी को इतना सारा चंदा मिलना बड़ी बात है।

व्यक्तिगत विवरण की बात नहीं करते हैं क्योंकि बहुतो को वह ज्यादा अच्छी नहीं लगेगी। लेकिन भारत में लोकतंत्र काफी महंगा सौदा है। लंदन की "इकोनॉमिस्ट" मैगज़ीन में लिखती है कि वर्तमान वर्ष में भारत के आम चुनाव विश्व के सर्वाधिक महंगे चुनाव होंगे। अविश्वसनीय रूप से ये चुनाव अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव से भी ज्यादा बड़े हैं।

ब्लूमबर्ग बैंक के अनुसार, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में करीब 8.6 बिलियन डॉलर खर्च हुए थे और वर्तमान चुनाव में करीब 15 अरब डॉलर खर्च होने की उम्मीद है। देश की 3.5 ट्रिलीयन डॉलर की अर्थव्यवस्था को देखते हुए आम चुनावों में खर्च होने वाला धन जी.डी.पी. का सिर्फ 0.15 प्रतिशत होगा।

अधिकांश लोग सोचेंगे कि यह तो बहुत ही कम है, लेकिन दो कारणों को लेकर वास्तव में नहीं। पहला तो यह कि आम चुनाव अन्ततः कीमतों में वृद्धि करते हैं। चूंकि अधिकांश व्यय ग्राउण्ड लैवल पर होते हैं तो इससे कुछ समय के लिए लोकल लैवल पर आय बढ़ जाती है। इससे सबसे निचले स्तर पर कुछ समय के लिए वस्तुओं की मांग बढ़ जाती है।

ऐसी स्थिति में किसी अधिक समेकित मौद्रिक नीति की उम्मीद करना संदर्भ से परे सोचने के समान होगा।

दूसरा यह कि अधिंकाश व्यय नकद में होंगे। धन देने और खर्च करने वाले वहां बेतहाशा खर्च करेंगे जहां 'पैन नम्बर" की जरूरत प्राथमिक नहीं मानी जाती। अतः ब्लैक मनी सर्कूलेट होने की भी आशंका है।

मेरा अनुमान है कि नोटबंदी का अगला दौर सरकार की प्राथमिकता नहीं होगा।

अभिनेता गोविंदा शिवसेना (शिंदे गुट) से चुनाव लड़ेंगे

मुंबई, 28 मार्च। पूर्व सांसद और मशहूर फिल्म स्टार गोविंदा एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना में शामिल हो गये हैं। गोविंदा को मुंबई-उत्तर-पश्चिम लोकसभा सीट से शिवसेना यूबीटी के अमोल कीर्तिकर के मुकाबले मैदान में उतारा जा सकता है। 2004 के लोकसभा चुनाव में गोविंदा ने कांग्रेस के बैनर तले मुंबई उत्तर लोकसभा से चुनाव लड़ा था। उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता राम नाईक को हराया। हालांकि, बाद में गोविंदा ने 2009 के लोकसभा चुनाव में चुनाव न लड़ने का फैसला करते हुए कांग्रेस पार्टी और राजनीति से नाता तोड़ लिया। बीते हफ्ते गोविंदा और महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे की दूसरी मुलाकात हुई थी, तब से ऐसी अटकलें लगाई जाने लगी की हीरो नंबर वन अभिनेता एक बार फिर सियासी पारी खेल सकते हैं।

- **गोविंदा ने एकनाथ शिंदे गुट की शिवसेना जॉइन की।**

सी.पी. जोशी दिन में चार बार निर्णय बदल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अपना रुख बदल दिया और फिर से अनिश्चय की स्थिति में आ गए। सूत्रों का कहना है कि, अब वो चुनाव लड़ने के लिए मना कर रहे हैं।

समस्या यह है कि, जयपुर में बैठे अशोक गहलोत अभी भी कांग्रेस पार्टी और टिकटों के बंटवारे को कंट्रोल कर रहे हैं और सी.पी. जोशी उनके साथी हैं, दोनों ही सचिन पायलट को किसी भी तरह का फायदा नहीं देना चाहते।

प्रश्न यह पूछा जा रहा है कि, गहलोत अभी भी अपना अधिकार क्यों जता रहे हैं और क्यों उनकी स्थिति मजबूत बनी हुई है?

शायद इसलिए क्योंकि, उन्हें किसी कारण से मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन प्राप्त है।

और शायद इसलिए, क्योंकि, राहुल गाँधी कुछ बोलते नहीं हैं और कोई स्टैण्ड नहीं लेते हैं। वो तो सी.ई.सी. की बैठकों में शामिल भी नहीं होते हैं। और अब, जबकि, राजस्थान के टिकटों का मामला सी.ई.सी. के दायरे से बाहर है, तो जयपुर के गुट को खुली छूट मिल गई है, ये लोग सबसे अयोग्य प्रत्याशियों का चयन कर रहे हैं, जो या तो पार्टी में नहीं हैं, या चुनाव लड़ना नहीं चाहते हैं या फिर उनके विरुद्ध केस चल रहे हैं।

- **अजमेर से रघु शर्मा, जो आजकल पायलट के खेमे में है, उम्मीदवार बनने को तैयार हैं, और भीलवाड़ा से कांग्रेस प्रवक्ता आलोक शर्मा भी उम्मीदवार बनने को तैयार हैं। पर, जयपुर का "कॉकस" (गहलोत, सी.पी. जोशी, डोटासरा आदि) यह कभी नहीं होने देना चाहते, क्योंकि दोनों संभावित उम्मीदवार सचिन के नजदीक बताये जाते हैं।**

कांग्रेस प्रवक्ता, आलोक शर्मा भीलवाड़ा से प्रत्याशी बनने को तैयार हैं और ब्राह्मण भी हैं, लेकिन जयपुर का "कॉकस" (गहलोत, सी.पी. जोशी, डोटासरा आदि) यह कभी नहीं होने देना चाहता और उनकी उम्मीदवारी को ब्लॉक कर रहा है।

जहाँ तक अजमेर और रामचंद्र चौधरी का सवाल है, डोटासरा यह कहते हुए उनकी उम्मीदवारी का बचाव कर रहे हैं कि, उनके विरुद्ध कोई अपराध सिद्ध नहीं हुए हैं और यदि चुनाव आयोग प्रश्न उठाता है तो सही समय पर वो उनका जवाब देंगे। उनके विरुद्ध पॉक्सो केस है, वो 80 वर्ष के हैं और छः बार चुनाव हार चुके हैं।

लेकिन, लगता है कि, जयपुर नेतृत्व को उन्हें बदलने में या पार्टी को इस सीट पर जीत दिलाने में कोई रुचि नहीं है, क्योंकि, वो गहलोत के करीब हैं।

विकल्प हैं रघु शर्मा, जो अब पायलट कैम्प में हैं और उम्मीदवार बनने को तैयार हैं और यदि पायलट उनके लिए गहन प्रचार करते हैं तो वो अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं।

प्रश्न यह है, क्या राजस्थान में भाजपा की मदद करने के लिए सोच समझकर कमज़ोर प्रत्याशी खड़े किए जा रहे हैं?

बहुत गहरे ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सचिव के पद पर ए.बी.वी.पी. के गोविंद डांगी को 508 वोटों से अंतर से हरा कर पराजित कर दिया। हालांकि उनकी यह विजय समस्त चार उम्मीदवारों में सबसे कम वोटों से विजयी हुई है। जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनावों में शुक्रवार को 73 प्रतिशत छात्रों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया था, यह पिछले 12 वर्षों में सबसे अधिक है। चुनावों में लेफ्ट के उम्मीदवारों को धुआंधार विजय प्राप्त हुई है, ए.बी.वी.पी. केवल इसलिए चुनावों में टक्कर दे पाई क्योंकि चुनावी संघर्ष बहु कोणीय था जैसा कि कांग्रेस का छात्र संगठन एन.एस.यू.आई. व अनेक निर्दलीय उम्मीदवार भी चुनाव मैदान में थे।

कोटा में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

करवाया जाएगा। तब तक उसके शव को मोर्चरी में शिफ्ट कर दिया गया है। पुलिस निरीक्षक शर्मा ने बताया कि, छात्रा के कमरे का दरवाजा सुबह से नहीं खुला था।

छात्रा ने सुबह से खाना भी नहीं खाया था। ऐसे में उसके पास के रूम में रहने वाले अन्य स्टूडैंट्स ने उसका दरवाजा खटखटाया तो छात्रा ने दरवाजा नहीं खोला तब उन्होंने दरवाजे के ऊपर लगे रोशनदान से अंदर झांका।

इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर और दरवाजे को तोड़कर कमरे के अंदर दाखिल हुई। इस मामले की तहकीकात शुरू कर दी गई है।

अमेरिका ने फिर से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुलाकर उनके देश की टिप्पणियों पर विरोध जताया था। अमेरिका के विदेश विभाग द्वारा गुरुवार को फिर से केजरीवाल की गिरफ्तारी और कांग्रेस पार्टी के बैंक खातों को फ्रीज़ करने, पर टिप्पणी की गई। इसके बाद विदेश विभाग के प्रवक्ता, रणधीर जयसवाल ने मीडिया कर्मियों को कहा कि टिप्पणियां अवांछित थी। उन्होंने कहा, "हमारी चुनावी और कानूनी प्रक्रिया पर किसी दूसरे देश के इस तरह के आरोप पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। भारत और अमेरिका के मध्य मजबूत द्विपक्षीय रिश्ते हैं और हाल के वर्षों में रक्षा और महत्वपूर्ण तकनीकों के क्षेत्रों में दोनों ने मिलकर महत्वपूर्ण प्रगति की है। दोनों देशों के अधिकारियों के बीच हाल में हुयी तीखी-टिप्पणियों के आदान-प्रदान ने एक विवाद खड़ा कर दिया है।

जयसवाल ने कहा कि अमेरिका के विदेश विभाग के अधिकारी की टिप्पणियों के विरूद्ध भारत ने पहले ही अमेरिकी दूतावास के एक वरिष्ठ अधिकारी को अपना विरोध और आपत्ति दर्ज करा दी है। उन्होंने आगे कहा कि "भारत को अपनी निष्पक्ष और मजबूत लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं पर गर्व है और देश इनको किसी भी गैर जरूरी बाहरी प्रभाव से रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है।" जयसवाल ने आगे कहा कि, अंतर्राष्ट्रीय संबंधों के लिए आपसी समझ और आदर जरूरी है और देशों की संप्रभुता और आंतरिक मामलों के लिए आदर होना चाहिए।

अमेरिका के विदेश विभाग के प्रवक्ता, मैथ्यू मिलर ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका केजरीवाल की गिरफ्तारी से संबंधित तथ्यों पर कड़ी नजर रख रहा है। उन्होंने कहा, "हमको कांग्रेस पार्टी के उन आरोपों के बारे में भी जानकारी है जिसके अनुसार, कांग्रेसी पार्टी के बैंक खातों के फीज़ होने के बाद आगामी चुनावों में उनके लिए प्रभावी चुनाव प्रचारकरना मुश्किल हो गया है। "इन दोनों मुद्दों पर निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रिया को बढ़ावा देते हैं।"

'जम्मू-कश्मीर को किस पीड़ा और दुविधा में धकेला गया है, उसे केवल कांग्रेस और खासतौर पर राहुल गांधी ही समझ सकते हैं'

पूर्व मु.मंत्री महबूबा मुफ्ती ने अपनी किताब "भारत जोड़ो यात्राः रीक्लेमिंग इंडियाज़ सोल" में राहुल गांधी की जमकर प्रशंसा की

नई दिल्ली, 28 मार्च। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पी.डी.पी.) अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने एक नई किताब में लिखा है कि जम्मू कश्मीर को किस पीड़ा और दुविधा में धकेला गया है, उसे केवल कांग्रेस और खासतौर पर राहुल गांधी ही समझ सकते हैं। भारत जोड़ो यात्राः रिक्लेमिंग इंडियाज सोल शीर्षक वाली यह पुस्तक निबंधों का एक संग्रह है जिसका विमोचन शुक्रवार को किया गया। मुफ्ती ने इसमें अपने निबंध में लिखा है कि भारत के विचार को बचाने का रास्ता जम्मू-कश्मीर से होकर जाता है जो अपने आप में लघु भारत है और जहां विभिन्न धर्मों के लोग सदियों से शांतिपूर्ण तरीके से साथ-साथ रहे हैं।

पुस्तक पाठकों को राहुल गांधी के नेतृत्व वाली भारत जोड़ो यात्रा के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराती है जिसमें सितंबर 2022 से जनवरी 2023 तक 4,000 किलोमीटर की देशव्यापी यात्रा की गई थी। जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती ने अपने निबंध भारत जोड़ोः रेस्टोरिंग कश्मीरियत, जम्हूरियत में राहुल गांधी की प्रशंसा की है। इसे उन्होंने अपनी बेटी इल्तिजा मुफ्ती के साथ लिखा है। उन्होंने कहा, आज पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के हर कोने में लोग थोड़ा बदलाव महसूस कर रहे हैं। अगर कोई इतिहास के पन्ने पलटे, तो शायद केवल कांग्रेस, खासकर आरजी (राहुल गांधी) ही हैं, जो जम्मू-कश्मीर के दर्द और दुविधा को समझ सकते हैं।

- **महबूबा मुफ्ती ने अपनी किताब में राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के कई वृत्तांतों का जिक्र किया है।**
- **महबूबा मुफ्ती ने कहा है कि, राहुल गांधी कश्मीर के हर मुद्दे के जानकार एवं परिपक्व राजनेता हैं और यह बात सब जानते हैं कि, राहुल गांधी की जनता में छवि खराब करने में भाजपा ने भारी धनबल और संसाधनों का इस्तेमाल किया है।**

मुफ्ती ने लिखा, मुझे उम्मीद है कि यदि इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) गठबंधन 2024 के चुनाव में जीतता है तो वह मेरे लोगों के घावों को भरने का प्रयास करेगा। पीपल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) विपक्षी इंडिया गठबंधन में कांग्रेस के साथ घटक दल की तरह शामिल है। गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच केंद्र शासित प्रदेश में सीटों के बंटवारे पर अभी तक फैसला नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, न केवल एक कश्मीरी के नाते, बल्कि मुख्यधारा की नेता होने के नाते, जिसने तीन दशक पहले राजनीति के उतार-चढ़ाव को अपनाया, मैंने जम्मू-कश्मीर में ऐसी निराशा और हताशा पहले कभी नहीं देखी। लोग अपनी पहचान, जमीन और नौकरियों को लेकर असुरक्षा की गंभीर भावना से ग्रस्त हैं।

मुफ्ती ने कहा, ऐसी संकटपूर्ण परिस्थितियों में, कोई भी यह नहीं बता सकता कि राज्य भर में लोगों की पीड़ा को कम करने में कांग्रेस कितनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि व्यक्तिगत और राजनीतिक स्तर पर जवाहरलाल नेहरू के अथक प्रयासों ने ही जम्मू कश्मीर का भारत में विलय सुनिश्चित किया।

उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के समय राहुल गांधी से अपने संवाद का उल्लेख करते हुए कहा, मैंने पहले भी राहुल गांधी से बात की है लेकिन इस बार मैंने उनका पूरी तरह अलग पक्ष देखा। हमने कई विषयों जिसमें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों शामिल थे, पर बात की और मैंने उन्हें अच्छा जानकार पाया। मुझे हैरानी होती है कि उन्हें गलत तरह से एक अनजान राजनेता पेश करने में भाजपा का कितना पैसा और ऊर्जा बर्बाद होती है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908